

05 <sup>02</sup>/<sub>25</sub>

पत्रावली केय हुपनी बसुल प्राप्ती उपन  
 अप्राप्ती को तलही रबिण डामु री ही  
 हुने ही ये वाकपर ~~अच्यता~~ के काउं व  
 प्रां पत्र पर वहील प्राप्ती को सुनामप्या  
 अत्र! प्रां पत्र स्वीकार किया जाया है।  
 पत्रावली कुल को सुनः दण रीत के काउं  
 रीप गरी है। पत्रावली अं पत्र सुन  
 को सुन गकर सुन ही का सुन  
 शाब्दिक सुन है

